Volume: 4 Issue: 7 Pages: 123-124

मानव संसाधन के उपयोगार्थ मूल्य शिक्षा की प्रासंगिकता

[*1] संतोष तंवर एंव डॉ. सुधीर रुपानी

[*1] शोधार्थी, शिक्षाशास्त्र, महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय बीकानेर, राजस्थान, भारत।

[2]शोधनिदेशक शिक्षा-शास्त्र, राजकीय उच्च अध्ययन शिक्षण संसथान, महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय बीकानेर, राजस्थान, भारत।

Article Info.
E-ISSN: 2583-6528
Impact Factor (SJIF): 6.876
Peer Reviewed Journal
Available online:
www.alladvancejournal.com

Received: 26/June/2025
Accepted: 22/July/2025

***Corresponding Author**
संतोष तंवर
शोधार्थी, शिक्षाशास्त्र, महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय बीकानेर, राजस्थान, भारत।

सारांश:
वर्तमान युग में जहाँ तकनीकी दक्षता और आर्थिक उत्पादकता मानव संसाधन की सफलता के प्रमुख मापदंड माने जाते हैं, वहीं मूल्य शिक्षा की उपेक्षा एक गंभीर सामाजिक चुनौती बनती जा रही है। यह शोध पत्र मूल्य शिक्षा की परिभाषा, महत्व तथा मानव संसाधन विकास में इसकी केंद्रीय भूमिका की विवेचना करता है। अध्ययन में यह विश्लेषण किया गया है कि मूल्य आधारित शिक्षा न केवल व्यक्तित्व निर्माण में सहायक होती है, बल्कि संगठनों में नैतिक कार्य संस्कृति को भी पोषित करती है। शोध के निष्कर्षों से यह स्पष्ट होता है कि मूल्य शिक्षा मानव संसाधनों को उत्तरदायी, समावेशी तथा नैतिक रूप से सक्षम बनाने का माध्यम है, जो किसी भी राष्ट्र के सर्वांगीण विकास हेतु अनिवार्य है।

मुख्य शब्द: मूल्य शिक्षा, मानव संसाधन विकास, नैतिकता, कार्य संस्कृति, उत्तरदायित्व, समावेशिता

प्रस्तावना:

21वीं सदी में किसी राष्ट्र की प्रगति केवल उसके भौतिक संसाधनों पर नहीं, बल्कि उसके मानव संसाधनों की गुणवत्ता पर भी निर्भर करती है। तकनीकी योग्यता एवं अकादमिक दक्षता के साथ-साथ यदि कार्यबल में नैतिक मूल्यों, सामाजिक चेतना और मानवीय सहिष्णुता का समावेश हो, तभी वह राष्ट्र सतत् एवं समावेशी विकास की दिशा में अग्रसर हो सकता है। ऐसे में मूल्य शिक्षा की आवश्यकता और प्रासंगिकता और अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है। यह केवल एक विषय नहीं, बल्कि व्यक्ति के आचार, विचार एवं व्यवहार को गढ़ने की प्रक्रिया है।

मूल्य शिक्षा का स्वरूप एवं उद्देश्य

मूल्य शिक्षा का तात्पर्य है, ऐसी शिक्षा प्रणाली, जो जीवन के मूलभूत नैतिक, सामाजिक और आध्यात्मिक मूल्यों को विद्यार्थियों में विकसित करे। यह शिक्षा केवल किताबी ज्ञान तक सीमित न रहकर, व्यवहार, दृष्टिकोण और निर्णय लेने की क्षमता को भी नैतिक धरातल पर विकसित करती है।

प्रमुख उद्देश्य

- व्यक्तित्व में नैतिक दृढ़ता का विकास
- कर्तव्यपरायणता एवं अनुशासन की भावना का पोषण
- सामाजिक एवं राष्ट्रीय उत्तरदायित्व की चेतना
- मानवता, सहिष्णुता और करुणा का विकास
- नैतिक नेतृत्व और सेवा की भावना का संचार

मानव संसाधन विकास में मूल्य शिक्षा की भूमिका

मानव संसाधन विकास केवल प्रशिक्षण और तकनीकी दक्षता का विषय नहीं है, बल्कि उसमें नैतिक आचरण, कार्यस्थल पर विश्वास, तथा सामूहिक उत्तरदायित्व की भावना का होना भी अत्यंत आवश्यक है।

- **कार्य में सुधार:** मूल्य आधारित शिक्षा कार्यस्थल पर ईमानदारी, पारदर्शिता और सहयोगात्मक व्यवहार को प्रोत्साहित करती है, जिससे एक सकारात्मक वातावरण का निर्माण होता है।
- **उत्तरदायी नेतृत्व का निर्माण:** मूल्य शिक्षा से प्रेरित नेतृत्व सामूहिक भलाई, समावेशिता और न्यायपूर्ण निर्णयों को प्राथमिकता देता है।

- **सामाजिक समरसता:** विविधता-युक्त कार्यस्थलों पर मूल्य शिक्षा सांस्कृतिक समझ, सहनशीलता और समरसता को बढ़ावा देती है।

मूल्य शिक्षा और मानव संसाधन विकास अंतर्संबंध

- **संगठनात्मक संस्कृति में मूल्यों की भूमिका:** जब कोई संस्थान अपने मूल्यों को प्राथमिकता देता है, तो वहाँ केवल कार्य नहीं, संवाद होता है वहाँ केवल नियम नहीं, आदर्श होते हैं। मूल्य आधारित संगठन अपने कर्मचारियों में उत्तरदायित्व, पारदर्शिता और सम्मान को प्राथमिकता देते हैं। इससे कार्यस्थल पर विश्वास, सहयोग और नवाचार की भावना उत्पन्न होती है, जिससे मानव संसाधन अधिक प्रेरित और समर्पित होता है।
- **नैतिक नेतृत्व का विकास:** नैतिक शिक्षा एक ऐसा आधार है जो नेतृत्व को केवल निर्देशात्मक नहीं, बल्कि प्रेरणात्मक बनाती है। ऐसा नेतृत्व केवल संगठनात्मक लक्ष्यों तक सीमित नहीं होता, वह सामाजिक न्याय, मानवीय गरिमा और लोकहित को भी साथ लेकर चलता है।
- **सहयोगात्मक कार्यसंस्कृति:** मूल्य शिक्षा सहयोग, संवाद और सामूहिक उत्तरदायित्व को प्रोत्साहित करती है। जब सभी कर्मचारी नैतिक दृष्टिकोण से सोचते हैं, तो कार्यस्थल में प्रतिस्पर्धा की बजाय सहभागिता की भावना विकसित होती है, जिससे संगठन को दीर्घकालीन लाभ मिलता है।
- **विविधता में एकता:** आज के बहुसांस्कृतिक कार्यस्थलों में सांस्कृतिक विविधता एक चुनौती भी है और अवसर भी। मूल्य शिक्षा कर्मचारियों को विविध विचारों, संस्कृतियों और पृष्ठभूमियों का सम्मान करना सिखाती है। इससे सहिष्णुता, भावनात्मक बुद्धिमत्ता और अंतर-सांस्कृतिक समन्वय बढ़ता है।

वर्तमान परिप्रेक्ष्य में चुनौतियाँ

- उपभोक्तावाद और भौतिकता के बढ़ते प्रभाव ने नैतिक मूल्यों को पीछे धकेला है।
- शिक्षा प्रणाली में केवल परीक्षा केंद्रित दृष्टिकोण ने मूल्य आधारित शिक्षण की उपेक्षा की है।
- डिजिटल माध्यमों की अति से संवेदनशीलता एवं सहानुभूति में गिरावट आई है।
- पारिवारिक एवं सामाजिक संरचनाओं में नैतिक संवाद की कमी भी चिंता का विषय है।

सुधारात्मक सुझाव

- राष्ट्रीय शिक्षा नीति में मूल्य शिक्षा को आधारभूत तत्व के रूप में सम्मिलित किया जाए।
- तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षण संस्थानों में नैतिक पाठ्यक्रम अनिवार्य किए जाएं।
- कर्मचारियों हेतु नैतिक नेतृत्व एवं मूल्य आधारित कार्यशालाओं का आयोजन किया जाए।
- शिक्षकों का नैतिक मूल्य प्रशिक्षण आवश्यक किया जाए।
- मीडिया व सोशल नेटवर्किंग प्लेटफॉर्म्स पर सकारात्मक नैतिक संदेशों को बढ़ावा दिया जाए।
- वैश्विक परिदृश्य में नैतिक शिक्षा

विकसित देशों की पहल

- फिनलैंड शिक्षा प्रणाली चरित्र निर्माण और नैतिक निर्णय पर केंद्रित हैं।
- जापान में 'मोरल क्लास' नियमित रूप से चलाए जाते हैं।
- अमेरिका 'एथिक्स इन बिजनेस' जैसे पाठ्यक्रम अनिवार्य कर दिए गए हैं।

निष्कर्ष:

मूल्य शिक्षा मानव संसाधन विकास की आध्यात्मिक एवं नैतिक आत्मा है। यह न केवल व्यक्ति को दक्ष कार्यकर्ता बनाती है, बल्कि उसे एक जिम्मेदार नागरिक एवं संवेदनशील मानव भी बनाती है। जब मूल्य शिक्षा को शिक्षा प्रणाली और कार्यस्थल दोनों में समान रूप से महत्व दिया जाता है, तभी एक नैतिक, उत्तरदायी एवं सक्षम कार्यबल का निर्माण संभव हो पाता है। अतः राष्ट्रीय एवं संस्थागत स्तर पर मूल्य शिक्षा को केवल एक वैकल्पिक विषय नहीं, अपितु नीतिगत आवश्यकता के रूप में देखा जाना चाहिए।

References

1. Kumar S. Value Education and Human Development. New Delhi: Wisdom Press, 2019.
2. Sharma R. Moral Values in Education: A Necessity. International Journal of Education and Ethics. 2021; 8(2):45-52.
3. Mishra AK. Human Resource Development: Ethics and Challenges. Jaipur: Academic Publications, 2020.
4. Ministry of Education, Government of India. National Education Policy, 2020. Retrieved from https://www.education.gov.in
5. Singh P, Kaur R. Role of Value Education in Organizational Behavior. Journal of Management and Social Studies. 20225(1):12-18.
6. UNESCO. Rethinking Education: Towards a global common good?. Paris: UNESCO Publishing, 2015.